18वीं एवं 19वीं सदी में आर्थिक एवं राजनीतिक आंदोलन के रूप में एक ऐसी विचारधारा है जिसमें इस बात पर बल दिया गया है कि प्रत्येक व्यक्ति अपने हितों का सर्वोत्तम निर्णायक है, जो राज्य को मानव की अपूर्णता का प्रतीक मानकर उनकी निंदा करता है और आर्थिक क्षेत्र में स्वतंत्र प्रतियोगिता का समर्थन करके राज्य का न्यूनतम हस्तक्षेप का हिमायती है।

प्रमुख व्यक्तिवादी विचारकों में एडम स्मिथ, रिकार्डो, माल्थस, डी. टॉकविले, बैंथम, मिल, स्पेन्सर, स्मिथ आदि प्रमुख हैं।

<u>व्यक्तिवादी विचारधारा के अनुसार राज्य का कार्यक्षेत्र –</u>

इस विचारधारा में Laissez faire या Let him be alone पर बल दिया गया है जिसके अनुसार राज्य को चाहिये कि वह व्यक्ति को अधिकतम अकेला रहने का अवसर प्रदान करे। चूंकि मनुष्य के स्वभाव में विविधता है, कोमलता भी रमी है, स्वार्थ और संघर्ष की प्रवृत्ति है। अतः मानव